सेन्ट्रल जोन इंश्योरेन्स एम्पलाईज एसोसियेशन

(ए.आई.आई.ई.ए. से सम्बद्ध)

प्रभांजलि, 33, आर.डी.ए. कालोनी, टिकरापारा, रायपुर (छ.ग.)

अध्यक्ष : का. एन. चक्रवर्ती
महासचिव : का. डी.आर. महापात्र

परिपत्र क्र. : 03/2017
दिनांक : 04.01.2017

मध्य क्षेत्र के समस्त बीमा कर्मियों के नाम

प्रिय साथियों,

सीजेडआईईए के रजत जयंती वर्ष (9वाँ) महाधिवेशन के प्रमुख निर्णय

दिनांक 19 से 21 दिसम्बर तक CZIEA का रजत जयंती वर्ष सम्मलेन का प्रतिनिधि सत्र का. सुजीत शर्मा नगर के भव्य आडिटोरियम में सम्पन्न हुआ। प्रतिनिधि सत्र में सर्वप्रथम 19 दिसम्बर को CZIEA के महासचिव का. बी. सान्याल ने कार्यकारिणी समिति की ओर से 81 पृष्ठीय प्रतिवेदन पेश किया। प्रतिवेदन में CZIEA के विगत ग्वालियर सम्मेलन से लेकर अब तक, अन्तर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, औद्योगिक परिस्थितियों पर घटित विभिन्न घटनाक्रमों का व्यापक विश्लेषण करते हुए, उससे उपजी जिम्मेदारियों के अनुरूप, संगठनात्मक स्तर पर इस दौरान हासिल उपलब्धियों व कमजोरियों को रेखांकित करते हुये आगामी सम्मेलन तक के लिये हमारी भूमिका को रेखांकित किया गया था। इस पर हुई बहस में सम्मेलन में उपस्थित प्रतिनिधियों में से कुल 40 साथियों ने हिस्सा लिया तथा अपने-अपने अनुभवों के आधार पर उन्होंने अपने बहुआयामी विचारों से प्रतिवेदन को और समृद्ध किया। सम्मेलन में CZIEA के कोषाध्यक्ष का. बी.के. ठाकुर ने विगत 3 सालों का CZIEA व आन्दोलन की खबर का आय-व्यय का आडिट रिपोर्ट पेश किया। सदन ने सर्वसम्मति से इसे पारित किया।

प्रतिवेदन पर बहस का जवाब महासचिव का. बी. सान्याल ने दिया। इसके बाद प्रतिवेदन सर्वसम्मति से पारित किया गया। इस समूचे बहस के बाद सम्मेलन ने प्रमुख रूप से निम्न आह्वान किया:-

- **वैश्विक संकट जारी है, मजदूरों पर ही पड़ रही मार :**

अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विगत सम्मेलन के बाद की वैश्विक स्थिति का विश्लेषण करते हुये सम्मेलन का यह स्पष्ट मत था कि, विश्व पूंजीवाद का संकट न सिर्फ जारी है बल्कि कई पहलुओं में और तेज हो रहा है। इस संकट से उबरने की उनकी हरेक कोशिश ने, एक नया और गहरा संकट पैदा किया है और तथाकथित मितव्ययता व कम खर्ची के कदमों के जरिये, वह निर्ममता से मेहनतकश जनता पर आक्रमण तेज कर रहा है। इस सबका नतीजा यही निकला है कि, इसने नवउदारवादी निजाम में वैश्वीकरण की आर्थिक असमानताओं को बढ़ाने की अन्तर्निहित प्रवृत्तियों को ही बल दिया है। इसके चलते अलग-अलग देशों में घटती क्रय शक्ति व घरेलू मांग में गिरावट ने आय व सम्पत्तियों के बढ़ते असमानता की खाई को और चौड़ा कर दिया है। उदाहरण के तौर पर, मैकेंजी ग्लोबल इंस्टीट्यूट का अनुमान है कि संकट के इन आठ सालों के दौरान अमरीका की 81 प्रतिशत आबादी की शुद्ध आय या तो जहां की तहां बनी हुई है या उसमें और गिरावट आयी है। इटली के मामले में यही आंकड़ा 97 प्रतिशत, ब्रिटेन के मामले में 70 प्रतिशत, फ्रांस के मामले में 63 प्रतिशत है। इसका अर्थ साफ है कि पूंजीपतियों के मुनाफे बढ़ रहे है किन्तु आमजनों की क्रयशक्ति घट रही है। वैश्विक स्तर पर मजदूरों की छंटनी, बेरोजगारी बढ़ी है तथा श्रमिकों के सामाजिक हितलाभों में भारी कटौतियां थोपी गई है।

यही कारण है कि, समूचे विश्व में मजदूरों का पूंजीवादी शोषणकारी नीतियों के खिलाफ संघर्ष तीव्र हुआ है। ब्रिटेन में ब्रेक्जिट के नतीजों में भी यह प्रतिध्वनित हुआ। अमरीकी चुनाव प्रचार में भी ये सवाल मुखरता के साथ उभरे। ग्रीस, फ्रांस, जर्मनी अनेक देशों में लम्बी हड़तालें भी हुई। सम्मेलन इस पर एकमत था कि, समग्र रूप में वैश्विक परिदृश्य से इस तथ्य की पुष्टि होती है कि, तमाम दावों के बावजूद मंदी की मार जारी है और अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय पूंजी के नेतृत्व में जारी वैश्वीकरण अपने नवउदारवादी एजेंडे के तहत निर्मम शोषण को जारी रखे हुये है, इससे साफ है कि पूंजीवाद हमारी अंतिम मंजिल नहीं हो सकती। सम्मेलन ने यह भी नोट किया कि मंदी से उबरने के नाम पर अमरीकी साम्राज्यवाद ने आर्थिक-सामरिक प्रत्येक किस्म की वर्चस्ववादी भूमिका को तेज किया है, जिसका दुनिया में अस्थिरतावादी असर हो रहा है और इससे दक्षिणपंथी रूझान व तत्ववादी खतरे भी बढ़े हैं। इसलिये, आगामी दिनों में इन साम्राज्यवादी नीतियों की मार से पीड़ित मेहनतकशों के संघर्षों के विकास में अपनी सम्पूर्ण एकजुटता सुनिश्चित करनी होगी।

- **नवउदारवादी नीतियों को ही आक्रामकता से लागू कर रही वर्तमान सरकार :**

विगत ग्वालियर सम्मेलन में हमने यह स्पष्ट समझ कायम की थी कि, ''भारत के विशाल बहुमत जनता को राहत देने का काम न तो कांग्रेस कर सकती है और न भाजपा क्योंकि दोनों की आर्थिक नीति में कोई अंतर नहीं है। इसलिये देश को वैकल्पिक नेताओं की नहीं वरन् वैकल्पिक नीतियों की जरूरत है।'' पिछले सम्मेलन के बाद विगत लोकसभा चुनाव हों या उसके बाद बनी वर्तमान सरकार के 31 माह के कार्यकाल, उसके विश्लेषण से सीजेडआईईए के विगत सम्मेलनों के निष्कर्षों की ही पुष्टि होती है।

सम्मेलन ने इस अवधि में वर्तमान केन्द्र सरकार की शिक्षा, स्वास्थ्य, महिलाओं, दलित-आदिवासियों, मजदूरों, किसानों से संबंधित नीतियों, पिछले दो केन्द्रीय बजटों की उनकी दिशाओं, विदेश नीति संबंधी रूख, श्रम कानूनों व सार्वजनिक क्षेत्र की

रणनीतिक बिक्री, एफडीआई संबंधी उनकी नीतियों और आंतकवाद, दलित विरोधी हिंसा, अल्पसंख्यक विरोधी कुत्सा साम्प्रदायिक मुहिम सहित तमाम घटनाक्रमों, भ्रष्टाचार, कालाधन इत्यादि मुद्दों पर उनके रूख का, विस्तृत विश्लेषण करते हुये यह नोट किया कि, चुनाव पूर्व अपने हरेक राजनैतिक वायदे को वर्तमान सरकार ने राजनैतिक जुमलों की संज्ञा दे दी हैं। नतीजतन, अर्थव्यवस्था चौतरफा संकट की मार झेल रही है। हालिया नोटबंदी के बाद तो परिस्थितियां और गंभीर है और इसमें और गिरावट की आशंका बलवती हुई है। खेती के कुल रकबे का घटना जारी है, कृषि में लागत बढ़ रही है लेकिन समर्थन मूल्य नहीं। नकद फसली वाले किसान अपना टमाटर कहीं और नहीं छत्तीसगढ़ के पत्थलगांव और दुर्ग में ही सड़कों पर फेंक रहे हैं। किसानों की जमीनें हड़पी जा रही है, खेती के कुल रकबे का घटना जारी है।

बेरोजगारी बढ़ रही है, सरकार ने संसद में स्वयं यह स्वीकार किया है कि, जब, हर साल 1 करोड़ 30 लाख नये युवा बाजार में रोजगार की तलाश में आ रहे हैं तब वर्ष 2015 में प्रमुख उद्योगों में 1 लाख 35 हजार नये रोजगार ही पैदा हुये थे। मनरेगा को तो सरकार ने बोझ करार दे दिया है। महंगाई बढ़ी है। पेट्रोल व डीजल की कीमतों में इस अवधि में 18 बार बढ़ोतरी हुई है। सार्वजनिक क्षेत्रों के विनिवेशीकरण, बढ़ते संविदाकरण, अस्थायी रोजगार से आम जनता के बड़े हिस्से की क्रयशक्ति में भारी गिरावट दर्ज हुई है।

सम्मेलन ने यह भी नोट किया कि जब सरकार का आक्रमण तीखा और पैना हो रहा है तब मजदूर वर्ग का प्रतिरोध के स्वर का पैनापन भी मजबूत हुआ है। बीएमएस के अलग रहने के बावजूद 2 सितम्बर 2015 और उसके बाद 2 सितम्बर 2016 की केन्द्रीय ट्रेड यूनियनों की हड़ताल में परिलक्षित जबर्दस्त ऊफान में भी यह परिलक्षित हुआ है, जिसमें 18 करोड़ से अधिक मजदूरों ने भागीदारी की। यह संख्या सत्ताधारी वर्तमान केन्द्र सरकार को प्राप्त मतों से भी कहीं अधिक है। साथ ही, इस हड़ताल के समर्थन में छात्रों, युवाओं, महिलाओं, किसानों की सड़क पर प्रतिरोध कार्यवाहियां संगठित हुई। इस्पात, कोल, ऊर्जा इत्यादि अन्यान्य क्षेत्रों के साथ ही संगठित-असंगठित, योजनाकर्मियों के श्रमिक वर्ग के भी संघर्ष की आवाजें सुदृढ़ रूप से प्रतिध्वनित हुई हैं। सम्मेलन का यह दृढ़ मत था कि, बीमा कर्मियों को इस संघर्ष के साथ एकजुटता के साथ ही इसके विस्तार व विकास में अपनी अग्रणी भूमिका सुनिश्चित करना होगा।

- **मेहनतकशों की वर्गीय एकता की दुश्मन साम्प्रदायिकता के खिलाफ जारी रखो सांगठनिक-वैचारिक अभियान :**

सम्मेलन ने हर किस्म की साम्प्रदायिकता का विरोध करते हुए इस अवधि में देश में जारी असहिष्णुता के साथ ही साम्प्रदायिक विभाजन की मुहिम, दलित विरोधी हिंसा, शिक्षण संस्थाओं पर हमलों, अल्पसंख्यकों पर, बोलने-सोचने, कहने, लिखने इत्यादि की आजादी पर और देश की एकता के बुनियादी आधार स्तम्भों, हमारी मिली-जुली संस्कृति व धर्मनिरपेक्ष अवधारणा पर बढ़ते हमलों पर गहरी चिन्ता जाहिर की। सम्मेलन की यह स्पष्ट समझ थी कि हिन्दू राष्ट्र की फासीवादी दर्शन से परिचालित वर्तमान शासक पार्टी का जनतंत्र और जनतांत्रिक मूल्यों पर ही कोई विश्वास नहीं है इसलिये, वह तमाम जनतांत्रिक संस्थाओं को निशाना बना रही है तथा विरोध के स्वर को देशद्रोह करार दे रही है। एक मेहनतकश के रूप में बीमा कर्मी हो या कोई और अन्य मेहनतकश तबका धर्म, जाति, भाषा, क्षेत्र से परे एक मजदूर के रूप में उसकी वर्गीय एकता के बुनियादी आधार को ही इस दर्शन के द्वारा विखंडित करने की कोशिशें तेज हुई हैं अगर वे, इस मंसूबों में सफल हो गये तो ट्रेड यूनियन की एकता का आधार ही खंडित हो जायेगा और अगर ऐसा हुआ तो कार्पोरेटों की मनमर्जी का विरोध करने की हमारी शक्ति नष्ट हो जायेगी फिर, वे अपनी निजीकरण, उदारीकरण की नीति को बेरोकटोक थोप सकेंगे, इन सारे षड़यंत्रों के पीछे की शोषक वर्ग की बुनियादी मंशा यही है।

सम्मेलन का यह स्पष्ट मत था कि,उदारीकरण और जनतंत्र साथ नहीं चल सकते इसलिये जनतंत्र पर भी यह सरकार हमले कर रही है। ऐसे दौर में बीमा कर्मी व मेहनतकशों के सामने देश की एकता-अखंडता, भाईचारा, आर्थिक-राजनैतिक संप्रभुता, स्वतंत्रता, जनवाद और सर्वोपरि अपने रोजी-रोटी व मेहनतकश के रूप में अपनी अस्मिता को बचाने के लिये साम्प्रदायिक व दलित विरोधी मनुवादी विचारधारा के खिलाफ सांगठनिक-वैचारिक अभियान को निरन्तर सतत् रूप से हमें न केवल जारी रखना होगा बल्कि और अधिक सक्रियता के साथ सुनिश्चित करना होगा क्योंकि इसके बिना हम अपनी किसी भी आर्थिक मांग हो अन्य कोई भी लड़ाई आगे नहीं बढ़ा सकते।

- **राष्ट्रीयकृत बीमा उद्योग की हिफाजत में सघन अभियान जारी रहे :**

सम्मेलन ने इस अवधि में राष्ट्रीयकृत बीमा उद्योग के समक्ष उपजी चुनौतियों पर भी व्यापक विचार विमर्श करते हुये नोट किया कि, विगत 25 सालों में साम्राज्यवाद परस्त नवउदारवादी नीतियों के झण्डाबरदार भारत सरकार की तमाम कोशिशों के बावजूद, बीमा कर्मियों के AIIEA के नेतृत्व में अटल संघर्ष और अभियानों तथा भारत के आम जनता के एलआईसी के प्रति आगाध विश्वास के चलते, LIC ने अपनी हीरक जयंती मनाई है। सम्मेलन ने यह भी नोट किया कि, तमाम विपरीत आर्थिक परिस्थितियों के बावजूद LIC ने नव व्यवसाय हो या दावा निष्पादन या बेहतर सेवा मानक, प्रत्येक लिहाज से सर्वोत्तम प्रदर्शन किया है। इस विश्वस्तरीय बेहतर प्रदर्शन के बावजूद, भारत सरकार ने बीमा क्षेत्र में FDI की सीमा को 26 से बढ़ाकर 49 करने का विधेयक, तमाम जनतांत्रिक प्रक्रियाओं और विरोध को बलायेताक रखकर पारित करा लिया। बीमा कानून संशोधन पारित होने के बाद बीमा क्षेत्र में भी विलय व अधिग्रहण के खेल में तीव्रता आयेगी। आम बीमा क्षेत्र को तो विनिवेश के लिये शेयर बाजार में सूचीबद्ध करने का वित्तमंत्री ने ऐलान किया है। जिस तरीके से आधार बिल को मनी बिल मानकर पारित करा लिया गया, इससे इस सरकार की मंशा साफ जाहिर हो जाती है। सम्मेलन का यह दृढ़ मत था कि भारत सरकार की साजिशों और मौजूदा चुनौतियों के बीच हमें राष्ट्रीयकृत बीमा उद्योग की निरन्तर प्रगति तथा हिफाजत का जन अभियान व संघर्ष सतत् रूप से जारी रखना होगा। हमें LIC के ब्रांड एम्बेसडर के रूप में अपनी भूमिका निभानी होगी। इस अभियान में हमें बीमाधारक, विकास वाहिनी, अभिकर्ता व आम जनता के प्रत्येक

हिस्सों के मध्य अपनी पहल बढ़ाने, वृहत्तर एकता के निर्माण के लिये भी पहल बढ़ानी होगी।

- **ऐतिहासिक वेतन पुनर्निर्धारण व उपलब्धियों के लिये एआईआईईए को बधाई :**

सम्मेलन ने इस अवधि में प्रतिकूल व कठिन परिस्थितियों के साथ ही मजदूर विरोधी सरकार की वेतन जाम की नीतियों को पीछे धकेलकर AIIEA के नेतृत्व में सारी बाधाओं को पार कर हासिल किये गये ऐतिहासिक वेतन पुनर्निर्धारण के लिये AIIEA व बीमा कर्मचारियों को बधाई दी। सम्मेलन ने लेवी एकत्रीकरण के कार्य पर भी संतोष व्यक्त करते हुये अगर कोई साथी बच गये हैं तो उन्हें तत्काल अपना अंशदान जमा कराने की अपील की ताकि, आगामी संघर्ष के लिये संगठन को मजबूत किया जा सके। साथ ही सम्मेलन ने गृह निर्माण ऋण, फ्लोरेट मेडिक्लेम, शैक्षणिक ऋण इत्यादि अन्य उपलब्धियों के लिये भी AIIEA को बधाई दी।

- **भारत के लिये लोग मंच को सक्रिय करो :**

सम्मेलन ने मध्य क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर गठित भारत के लिये लोग मंच को, उपरोक्त सभी अभियानों के लिये उपयुक्त मंच के रूप में उपयोग करने के आह्वान के साथ ही, इस मंच को पुनर्गठित कर सभी केन्द्रों पर सक्रिय करने व जहां यह मंच निर्मित नहीं हुआ है, इसकी संभावना तलाश कर इसके निर्माण की अपील की।

- **आन्दोलन की खबर व इंश्योरेन्स वर्कर की पाठक संख्या में वृद्धि का प्रयास जारी रहे :**

सम्मेलन ने एकस्वर से जिन मंडलों में अपनी सदस्य संख्या से अधिक आन्दोलन की खबर व इंश्योरेन्स वर्कर की सदस्यता है उसकी भूरि-भूरि सराहना करते हुए, अन्य मंडलों में ऐसे प्रयास पर जोर दिया। सम्मेलन ने आन्दोलन की खबर व इंश्योरेन्स वर्कर के पाठक संख्या में हमारे बाहर के समर्थकों, मित्रों तक पहुंच बढ़ाने के लिये सतत् पहल के साथ ही, समय पर इसका नवीनीकरण सुनिश्चित करने और गतिविधियों का नियमित समाचार संप्रेषित कर इन पत्रिकाओं को समृद्ध बनाने, योगदान का भी आह्वान किया।

- **एआईआईईए सम्मेलन को सफल बनाओ :**

जैसा कि आपको विदित है कि 21 से 25 जनवरी 2017 को AIIEA का 24वां महाधिवेशन कोचीन में आयोजित होने जा रहा है। CZIEA सम्मेलन ने इस सम्मेलन को सफल बनाने अपनी परम्परा के अनुसार मध्यक्षेत्र की सभी मंडलीय इकाईयों से अधिकतम विज्ञापन भिजवाने की अपील की। एकत्रित यह राशि 10 जनवरी तक CZIEA मुख्यालय प्रेषित कर दिया जाय ताकि तत्काल इसे आयोजक इकाई को भेजा जा सके।

- **AIIEA से बाहर के साथियों को संगठन में शामिल करो :**

सम्मेलन ने मध्यक्षेत्र में हमारी सांगठनिक स्थिति की विस्तृत समीक्षा की। सम्मेलन का यह स्पष्ट मत था कि राष्ट्रीयकृत बीमा उद्योग की हिफाजत का प्रश्न हो, या बेहतरीन वेतन पुनर्निर्धारण प्राप्त करने का, प्रत्येक बीमा कर्मी के लिये एआईआईईए का कोई विकल्प नहीं। AIIEA की मजबूत शक्ति और संघर्षों के बल पर ही हमने तमाम प्रगति, सुविधायें व अधिकार हासिल किये हैं, आगामी दिनों में प्राप्त अधिकारों की हिफाजत और भावी सुविधाओं को हासिल करने के लिये यह जरूरी है कि, अब भी जो साथी किन्हीं भी कारणों से संगठन की छतरी से बाहर हैं उन्हें, बीमा कर्मियों के विशाल वटवृक्ष, ऑल इंडिया इंश्योरेन्स एम्पलाईज एसोसियेशन की छतरी के दायरे में संगठित करने का अभियान सतत् रूप से जारी रखा जाय।

- **सीजेडआईईए रजत जयंती वर्ष समारोह के जरिये संगठन को हर लिहाज से मजबूत बनाया जाय :**

सम्मेलन ने अन्तर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, औद्योगिक स्तर पर उपस्थित जिम्मेदारियों की रौशनी में इसका मुकाबला करने, संगठन को हर स्तर पर तमाम कमजोरियों से दूर कर, सुदृढ़ व ताकतवार संगठन के रूप में तब्दील करने का आह्वान किया। सम्मेलन ने फक्र के साथ यह नोट किया कि, 21 नवम्बर 1992 में मध्य क्षेत्रीय इकाई के रूप में AIIEA की क्षेत्रीय इकाई CZIEA का जन्म हुआ था, इस वर्ष जहां LIC की हीरक जयंती हुई वहीं, CZIEA ने रजत जयंती वर्ष में प्रवेश किया। विगत 25 सालों के मध्य, हर इंच आगे बढ़ने के लिये बीमा कर्मियों ने संघर्ष किया और इसकी बदौलत ही हम दुश्मनों के तमाम सपनों को ध्वस्त कर, LIC की हीरक जयंती भी मना रहे हैं। सम्मेलन ने इसलिये 20 नवम्बर 2017 तक, वर्ष भर पूरे मध्य क्षेत्र में CZIEA रजत जयंती वर्ष समारोह के कार्यक्रम आयोजित किये जाने का आह्वान किया। जिसमें शाखा, मंडल, क्षेत्रीय स्तर पर ट्रेड यूनियन कक्षायें, बीमाधारक पखवाड़ा, पारिवारिक-मिलन समारोह, खेलकूद, सांस्कृतिक अन्यान्य गतिविधि मंडलीय स्तर पर तय किये जायें। रजत जयंती वर्ष कार्यक्रमों का उपयोग सांगठनिक सुदृढ़ीकरण अभियान में किया जाय।

सम्मेलन में बहस में हस्तक्षेप करते हुये एआईआईईए के महासचिव का. व्ही. रमेश व अध्यक्ष का. अमानुल्लाह खान ने सविस्तार वर्तमान परिस्थितियों का विश्लेषण पेश करते हुये वेतन पुनर्निर्धारण के संघर्ष में जीत के लिये साथियों को बधाई दी और एलआईसी की हिफाजत तथा आने वाली हर चुनौती का मुकाबला करने एकजुटता के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया।

सम्मेलन के अन्त में सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी समिति का निर्वाचन हुआ, जिसमें निम्न साथी चुने गये :-

1.	अध्यक्ष	का. एन. चक्रवर्ती	जबलपुर
2.	उपाध्यक्ष	का. बी.सान्याल	रायपुर
		का. मुकेश भदौरिया	भोपाल
		का. टी.पी. पाण्डे	सतना
		का. उषा परगनिहा	रायपुर
3.	महासचिव	का. डी.आर. महापात्र	रायपुर
4.	सहसचिव	का. व्ही.एस. बघेल	रायपुर
		का. अतुल देशमुख	रायपुर
		का. पूषण भट्टाचार्य	भोपाल
		का. अजीत केतकर	इंदौर
		का. एस. दास	शहडोल
		का. विजय मलाजपुरे	जबलपुर
		का. राजेश शर्मा	बिलासपुर
		का. सरवर अंसारी	भोपाल
		का. बृजेश सिंह	ग्वालियर
5.	कोषाध्यक्ष	का. बी.के. ठाकुर	रायपुर
6.	सह-कोषाध्यक्ष	की. दिलीप भगत	रायपुर

कार्यकारिणी सदस्य :

1.	का. गंगा साहू	रायपुर
2.	का. गीता पंडित	रायपुर
3.	का. ए. तिर्की	रायपुर
4.	का. सुरेन्द्र शर्मा	रायपुर
5.	का. तेजकुमार तिग्गा	भोपाल
6.	का. ओ.पी. डोंगरीवाल	भोपाल
7.	का. रूपनारायण बाथम	भोपाल
8.	का. मंजू शील	भोपाल
9.	का. अनिल सुरवड़े	इंदौर
10.	का. प्रशांत सोहले	इंदौर
11.	का. सुधा पंताने	इंदौर
12.	का. जे.पी. आर्या	ग्वालियर
13.	का. पूरन सिंह	ग्वालियर
14.	का. रश्मि अग्रवाल	ग्वालियर
15.	का. डी.एस. बघेल	सतना
16.	का. एस.के. गुप्ता	सतना
17.	का. मोनिका अवस्थी	सतना
18.	का. राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता	शहडोल
19.	का. मोहम्मद हक्कानी खान	शहडोल
20.	का. संगीता मल्लिक	शहडोल
21.	का. संगीता झा	बिलासपुर
22.	का. रवि श्रीवास	बिलासपुर
23.	का. गणेश कछवाहा	बिलासपुर
2	4.का. अशोक कोष्टा	जबलपुर
25.	का. ए.व्ही.के. राव	जबलपुर
26.	का. वंदना चौबे	जबलपुर
27.	का. गायत्री सुरी	जबलपुर

सम्मेलन में एआईआईईए के 24वें महाधिवेशन के लिये प्रतिनिधियों का भी सर्वसम्मति से निर्वाचन किया गया।

- **सम्मेलन में पारित प्रस्ताव :**

सम्मेलन में सर्वसम्मति से ऑल इंडिया इंश्योरेन्स एम्पलाईज एसोसियेशन को मान्यता दो, आर्थिक मोर्चे पर चौतरफा बदहाली के खिलाफ, टी.एम.पी. पालिसी को एकतरफा रूप से लागू करने पर रोक लगाओ, बीमा कानून संशोधन 2015 वापस लो, सामूहिक सौदेबाजी का अधिकार बहाल करो, नई स्पोर्ट्स नीति वापस लो, कृषि संकट पर, श्रम कानूनों में श्रमिक विरोधी परिवर्तनों के विरोध में, दलितों व अल्पसंख्यकों पर बढ़ते हमलों व साम्प्रदायिकता के खिलाफ, महिलाओं पर बढ़ते हमलों के खिलाफ, बढ़ती महंगाई पर रोक लगाओ, बेरोजगारी पर रोक लगाने, नई भर्ती आरंभ करो, केन्द्रीय कर्मचारियों के 15 फरवरी 2017 के प्रस्तावित हड़ताल के समर्थन में, भविष्य निधि की ब्याज में कटौती के खिलाफ प्रस्ताव स्वीकार किये गये।

- **सांस्कृतिक कार्यक्रम :**

सम्मेलन के दौरान 18 दिसम्बर 2017 को का. निसार अली निर्देशित छत्तीसगढ़ी नाचा-गम्मत ''एलआईसी भगवान'' का शानदार मंचन किया गया। 19 दिसम्बर 2017 को बिलासपुर की नाट्य संस्था अग्रज की ओर से भ्रष्टाचार पर प्रहार करने वाले नाटक ''वेंटिलेटर'' का मंचन किया गया। 20 दिसम्बर 2017 की रात्रि को बिलासपुर के का. एल. गोविंद के नेतृत्व में बिलासपुर तथा कोरबा के साथियों ने शानदार गीतों का आर्केस्ट्रा प्रस्तुत किया। तीनों ही दिन साथियों ने सांस्कृतिक संध्या का लुत्फ उठाया।

- **स्मृति चिन्ह :**

सम्मेलन की ओर से एआईआईईए के अध्यक्ष का. अमानुल्लाह खान व महासचिव का. व्ही. रमेश को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। सम्मेलन में स्वागत समिति अर्थात एनएफआईएफडब्ल्यूआई की ओर से भी एआईआईईए अध्यक्ष, महासचिव, सीजेडआईईए के अध्यक्ष का. एन. चक्रवर्ती, उपाध्यक्ष का. बी. सान्याल तथा सभी मंडलीय इकाई के महासचिव को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

- **आगामी सम्मेलन जबलपुर में :**

सम्मेलन ने सर्वसम्मति से सीजेडआईईए के आगामी 10वें सम्मेलन के आयोजन का दायित्व जबलपुर डिवीजन इंश्योरेन्स एम्पलाईज यूनियन के आग्रह के अनुरूप उन्हें सौंपा। सम्मेलन समाप्ति के बाद गगनभेदी नारों के मध्य जेडीआईईयू के साथियों को सीजेडआईईए के अध्यक्ष का. एन. चक्रवर्ती ने सीजेडआईईए का ध्वज प्रदान किया।

- **बिलासपुर के साथियों को असंख्य लाल सलाम - धन्यवाद बैठक :**

सम्मेलन समाप्ति के पूर्व समूचे सम्मेलन की ओर से गगनभेदी नारों के साथ सीजेडआईईए के सम्मेलन की आयोजक इकाई बिलासपुर डिवीजन इंश्योरेन्स एम्पलाईज एसोसियेशन (बीडीआईईए) के प्रत्येक सदस्यों और इस सम्मेलन के आयोजन में परोक्ष-अपरोक्ष सहयोग करने वाले सभी शुभचिंतकों को असंख्य लाल सलाम के साथ उनका अभिनंदन किया। बिलासपुर के साथियों का सीजेडआईईए के इतिहास में रजत जयंती सम्मेलन आयोजन का अध्याय जुड़ गया। सम्मेलन समाप्ति के बाद 18 दिसम्बर 2016 को ही सम्मेलन सभागार में सभी कार्यकर्ताओं, साथियों के प्रति आभार व कृतज्ञता के साथ बधाई देने के लिये एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक को सीजेडआईईए के अध्यक्ष का. एन. चक्रवर्ती, उपाध्यक्ष का. बी. सान्याल, महासचिव व स्वागत समिति उपाध्यक्ष का. रवि बैनर्जी ने संबोधित किया। इस सभा का संचालन का. राजेश शर्मा ने किया।

साथियों, हमें आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि मध्य क्षेत्र के समस्त बीमा कर्मी सीजेडआईईए के 9वें व रजत जयंती वर्ष महाधिवेशन के निर्णयों को लागू करने के लिये सम्पूर्ण एकजुटता के साथ जुटेंगे और हम तमाम बाधाओं को पार कर अपने बेहतर भविष्य के लिये आगे बढ़ेंगे।

क्रांतिकारी अभिवादन के साथ,

आपका साथी

(डी.आर. महापात्र)

महासचिव

मुद्रक : एक्सेल ऑफसेट प्रिन्टर्स, फूल चौक, रायपुर (छ.ग.) दूरभाष : 0771-4053295